रेल मंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी

सौंदर्यीकरण, रंग-रोगन व सफाई-सफाई सहित अनुरक्षण कार्यों में आई तेजी

नवभारत न्यूज

सतना 9 जुलाई. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के जुलाई माह में सतना के प्रस्तावित दौरे की संभावनाओं के बीच मण्डलीय रेल प्रबंधन पूरी तरह सक्रिय होता नजर आने लगा है.

हलांकि रेल मंत्रालय की ओर से इस संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक कार्यक्रम साझा नहीं किया गया है. लेकिन इसके बावजूद भी रेल प्रबंधन द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां जारी रखते हुए किसी तरह की कसर नहीं छूटने का पूरा प्रयास किया जा रहा है.

पिछले पखवाड़े भर से मण्डलीय रेल प्रबंधन जबलपुर से जुड़े अधिकारियों के सतना दौरे में एकाएक तेजी आई है. इतना ही नहीं बल्कि अचानक ही रेलवे स्टेशन सहित परिसर में सौंदर्यीकरण, रंग-रोगन और साफ-सफाई के साथ-साथ अनुरक्षण से संबंधित सभी कार्यों को प्राथमिकता पर रखते हुए गहन निगरानी की जा रही है. एक ओर जहां प्लेटफार्म सहित फुट ओवर ब्रिज पर टूटी हुई टाइल्स को बदलने और मरम्मत करने का कार्य प्रगति पर है. वहीं दूसरी ओर स्टेशन की दीवारों, प्रवेश द्वार, बोर्ड, और प्लेटफार्म पर रंग रोगन कर नया स्वरुप देने का प्रयास किया जा रहा है. यहां तक कि यात्री सुविधा से संबंधित छोटे से छोटे सुधार कार्य को भी प्राथमिकता दी जा रही है. इसी कड़ी में अपर मंडल रेल प्रबंधक दिनेश कुमार कमाले द्वारा एक दिन पहले ही रेलवे लॉबी, रनिंग रुम, दुर्घटना राहत यान, प्लेटफार्म, वीआईपी रुम सहित अन्य सभी महत्वपूर्ण इकाइयों का गहन निरीक्षण किया गया था. इसी कड़ी में ट्रेन संचालन से संबंधित कर्मचारियों के परिजनों से भेंट कर उनकी समस्यायों को सुनते हुए उनके निराकरण का अश्वासन भी दिया गया था. इतना ही नहीं बल्कि निमार्णाधीन कार्यों का निरीक्षण करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए थे. इसी कड़ी में यह भी माना जा रहा है कि रेल मंत्री के प्रस्तावित दौरे में वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की प्रगति की समीक्षा की जा सकती है. जिसे देखते हुए मण्डलीय स्तर पर इसकी निगरानी तेज कर दी गई है. इसके अलावा रेल मंत्री के संभावित दौरे के मद्देनजर स्थानीय रहवासियों सहित जन प्रतिनिधियों द्वारा माल गोदाम शिफ्टिंग जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की उम्मीद भी जगने लगी है. माना जा रहा कि सकारात्मक निर्णय होने पर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में विकास को नई गति मिलने के साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा.

संरक्षा-यात्री सुविधा प्राथमिकता

रेलवे ट्रैक मेंटिनेंस को लेकर गुरुवार को दोपहर 2 बजे से डेढ़ घंटे का ब्लाक लिया गया. इस दौरान पटरियों की मरम्मत और तकनीकी सुधार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा किया गया. जिसकी वजह से कुछ ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित रहा. वैसे तो इन तैयारियों को रेल मंत्री के संभावित दौरे से जोड़कर देखा जा रहा है. लेकिन रेल अधिकारियों का कहना है कि संरक्षा और सुचारु संचालन के लिए नियमित ट्रैक मेंटिनेंस आवश्यक पहलू होता है. वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशन पर जारी सुधार कार्य केवल वीवीआईपी दौरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं.

सड़क किनारे खड़ी बस को ट्रक में मारी टक्कर

एक यात्री की मौत आधा दर्जन घायल

नवभारत न्यूज

सतना 9 जुलाई. सतना से हैदराबाद की ओर जा रही एक यात्री बस उस वक्त दुर्घटना का शिकार हो गई जब पीछे से ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी. इस घटना के कारण जहां एक यात्री की मौत हो गई वहीं 4 यात्री घायल हो गए. यात्री बस को सड़क किनारे खड़ा कर उसका टायर बदला जा रहा था.

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की रात एक यात्री बस सतना से हैदराबाद जाने के लिए निकली थी. मैहर को पार करने के बाद बस जैसे ही कटनी रोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर पहुंची वैसे ही उसके टायर में कुछ समस्या सामने आने लगी. जिसे देखते हुए चालक ने बस को सड़क किनारे रोक दिया और क्लीनर द्वारा टायर बदला जाने लगा. इसी दौरान देर रात उक्त मार्ग से गुजर रहे एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने अचानक ही बस के पिछले हिस्से पर जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर होते ही यात्री बस में मौजूद यात्रियों के बीच चीख पुकार मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई. आनन-फानन में घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. जहां पर जांच के दौरान एक यात्री को मृत घोषित कर दिया गया. जिसकी पहचान शरद यादव उर्फ नत्थू पिता रामसोहावन निवासी लालपुर झरी मझगवां के तौर पर हुई. इस घटना की वजह से एनएच 30 पर यातायात कुछ देर के लिए बाधित हो गया. जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर खुलवाया. वहीं दूसरी ओर घटना के फौरन बाद ही ट्रक चालक मौके से फरार हो गया.

यात्री नीचे उतर चुके थे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह तो गनीमत रही कि बस के खड़े होने की वजह से कुछ यात्री नीचे उतर गए थे, अन्यथा हताहतों की संख्या काफी बढ़ सकती थी. पुलिस द्वारा दुर्घटना कारित करने वाले चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी गई.

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला कार्यकारणी घोषित

सतना, 9 जुलाई. भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल की सहमति एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष पवन पाटीदार, संभागीय संगठन प्रभारी विजय दुबे, जिला संगठन प्रभारी जी.एस. ठाकुर व भाजपा जिलाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद पाण्डेय की अनुशंसा पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष रावेन्द्र सिंह अबेर द्वारा मोर्चा की जिला कार्यकारणी की घोषणा की गई है।

बृहस्पति कुण्ड में डूबे छात्र का तीसरे दिन मिला शव, जल स्तर घटने के बाद मिली सफलता

नवभारत न्यूज

सतना 9 जुलाई. बृहस्पति कुण्ड के तेज बहाव में 7 जुलाई को लापता हुए नर्सिंग छात्र का शव तीसरे दिन खोज निकाला गया. बुधवार को जारी रहे एसडीआरएएफ के सघन सर्चिंग अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिल पाई थी. वहीं गुरुवार की सुबह एसडीआरएएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत करते हुए शव को खोज निकाला.

समस्तीपुर बिहार का निवासी और सतना स्थित एक निजी नर्सिंग कॉलेज में अध्ययनरत 25 वर्षीय कुणाल ठाकुर पिता अकुलु 7 जुलाई को अपने मित्रों के साथ पन्ना जिले में स्थित बृहस्पति कुण्ड में घूमने गया था. इसी दौरान वे सभी सतना जिले के बरौंधा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुण्ड के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गए. जहां पर गहरे पानी और तेज बहाव में फंसकर कुणाल लापता हो गया था. घटना की गंभीरता को देखते हुए पन्ना जिले के बृजपुर और सतना जिले के बरौंधा थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई. इस मामले में स्थानीय गोताखोरों से मदद लिए जाने के साथ ही एसडीआरएएफ की टीम को भी बुला लिया गया. बुधवार को एसडीआरएएफ की टीम ने दिन भर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा. लेकिन पानी के तेज बहाव की वजह से उन्हें सफलता नहीं मिल पाई. इसी कड़ी गुरुवार की सुबह से एक बार फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु कर दिया गया. इस दौरान जल स्तर भी घट जाने के कारण एसडीआरएएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत करते हुए शव को खोज निकाला. जिसे बरौंधा पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पीएम के बाद छात्र के शव को परिजनों को सौंप दिया गया. गौरतलब है कि बारिश के दौरान बृहस्पति कुण्ड का क्षेत्र काफी खतरनाक हो जाता है. लेकिन इसके बावजूद भी कुछ लोग वहां के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच जाते हैं. जिसके चलते हर वर्ष गहरे और तेज बहाव वाले पानी में डूबकर लोग अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं.

समर्थन मूल्य पर सिर्फ 25 फीसदी मूंग खरीदी

बाकी फसल औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर किसान

नवभारत न्यूज

सतना, 9 जुलाई जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर शुरू हुई खरीदी योजना किसानों के लिए राहत के बजाय आफत साबित हो रही है। सरकार से उचित दाम मिलने की उम्मीद में भारी लागत लगाकर मूंग की खेती करने वाले किसानों में अब सरकार की नीतियों को लेकर भारी नाराजगी है।

समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी योजना जिले के किसानों के लिए राहत से ज्यादा चिंता का विषय बन गई है। सरकार ने समर्थन मूल्य पर खरीदी की घोषणा तो की, लेकिन खरीदी केंद्रों पर उनकी कुल उपज का केवल 25 प्रतिशत हिस्सा ही लिया जा रहा है। ऐसे में बाकी फसल किसानों को खुले बाजार में कम कीमत पर बेचनी पड़ रही है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती में सिंचाई, उन्नत बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी पर प्रति एकड़ हजारों रुपए खर्च किए गए। औसतन तीन क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन होने के बावजूद समर्थन मूल्य पर केवल एक क्विंटल ही खरीदा जा रहा है। जब फसल का पंजीयन, गिरदावरी और सत्यापन शासन के नियमों के अनुसार हुआ है, तो वास्तविक उत्पादन के अनुरूप खरीदी क्यों नहीं की जा रही। खरीदी केंद्रों पर किसानों में इस व्यवस्था को लेकर नाराजगी साफ दिखाई दे रही है। यदि अधिकांश उपज बाजार में औने-पौने दाम पर बेचनी पड़े, तो समर्थन मूल्य योजना का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।

शासन के निर्देशों के मुताबिक ही : नरेन्द्र

इस संबंध में जिला विपणन अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार ही समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 25 प्रतिशत खरीदी के निर्देश प्राप्त हैं और उसी के आधार पर उपार्जन किया जा रहा है।

उत्पादन अधिक खरीदी कम : योगेश

भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष योगेश तिवारी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की खरीदी में आ रही समस्याओं को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि मूंग की खरीदी सीमा 1.25 क्विंटल प्रति एकड़ तय की गई है, जबकि वास्तविक उत्पादन 4 से 5 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। किसान संघ ने खरीदी सीमा बढ़ाकर 5 क्विंटल प्रति एकड़ करने की मांग की है।

आईटीआई प्रथम राउंड की मेरिट सूची जारी, 11 तक होंगे प्रवेश

नवभारत न्यूज

सतना 09 जुलाई. जिले की शासकीय आईटीआई में सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए प्रथम राउंड की सीट आवंटन सूची जारी कर दी गई है। विभिन्न ट्रेडों के लिए कटऑफ भी घोषित कर दिए गए हैं।

शहर की शासकीय आईटीआई संस्थान में प्रथम राउंड की प्रवेश सूची जारी कर दी गई है। जारी सूची के अनुसार विभिन्न ट्रेडों में अलग-अलग कटऑफ पर अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।

कंप्यूटर हार्डवेयर ट्रेड की 40 सीटों पर अधिकतम 89.8 प्रतिशत और न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक वाले अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। टर्नर की 17 सीटों पर अधिकतम 73 प्रतिशत और न्यूनतम 40 प्रतिशत, सोलर तकनीशियन की 20 सीटों पर अधिकतम 95.5 प्रतिशत और न्यूनतम 80 प्रतिशत, जबकि वेल्डर की 26 सीटों पर सबसे अधिक 98.3 प्रतिशत तथा न्यूनतम 50 प्रतिशत कटऑफ रहा। इसी प्रकार मैकेनिक मोटर व्हीकल की 24 सीटों पर अधिकतम 92.25 प्रतिशत और न्यूनतम 52 प्रतिशत, मैकेनिस्ट की 17 सीटों पर अधिकतम 95.5 प्रतिशत और न्यूनतम 53 प्रतिशत, फिटर की 18 सीटों पर अधिकतम 89.17 प्रतिशत और न्यूनतम 56 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक की 21 सीटों पर अधिकतम 82.2 प्रतिशत और न्यूनतम 57 प्रतिशत अंक पर चयन हुआ है। कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट की 46 सीटों पर अधिकतम 94 प्रतिशत और न्यूनतम 44 प्रतिशत, जबकि इलेक्ट्रीशियन की 57 सीटों पर अधिकतम 94 प्रतिशत और न्यूनतम 49 प्रतिशत कटऑफ के आधार पर प्रथम राउंड की सूची जारी की गई है।

प्रथम राउंड में चयनित अभ्यर्थियों को 9 से 11 जुलाई तक निर्धारित समयावधि में संबंधित आईटीआई संस्थान में उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा तथा प्रवेश की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करनी होंगी। निर्धारित तिथि तक प्रवेश नहीं लेने वाले अभ्यर्थियों का आवंटन निरस्त किया जा सकता है।

खरीदी में विसंगतियों को लेकर किसान संघ ने ज्ञापन सौंपा

नवभारत न्यूज

सतना। 9 जुलाई ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी में आ रही समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ, सतना महाकौशल प्रांत ने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

भारतीय किसान संघ का कहना है कि वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी के लिए प्रति एकड़ केवल 1.25 क्विंटल की सीमा निर्धारित की गई है, जबकि खेतों में वास्तविक उत्पादन 4 से 5 क्विंटल प्रति एकड़ तक हो रहा है। ऐसी स्थिति में अधिकांश किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने से वंचित रह जाते हैं और उन्हें बाजार में कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। ज्ञापन में मांग की गई है कि खरीदी की सीमा बढ़ाकर न्यूनतम 5 क्विंटल प्रति एकड़ की जाए। साथ ही किसानों की सुविधा के अनुसार अतिरिक्त खरीदी केंद्र स्थापित किए जाएं, ताकि दूर-दराज के किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। संघ ने यह भी मांग की है कि गिरदावरी या पंजीयन से वंचित किसानों को दोबारा पंजीयन का अवसर दिया जाए, जिससे कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसके अलावा मूंग एवं उड़द की 100 प्रतिशत उपज समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने की व्यवस्था लागू करने की मांग भी की गई है। भारतीय किसान संघ ने सरकार से किसानों के हित में शीघ्र निर्णय लेकर आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की है। संघ का कहना है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो दलहन उत्पादक किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

एक नजर में

एकेएस के विद्यार्थियों ने जगाई साक्षरता की अलख

सतना. नैक प्रत्यायित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के शिक्षा संकाय के बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने वर्किंग विद कम्युनिटी कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला, शेरगंज में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम बी.एड. विभाग की प्राध्यापक श्रीमती सीमा द्विवेदी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

धवारी निवासी निशा त्रिपाठी का निधन

सतना। धवारी गली नं. 1 चांदमारी रोड निवासी ब्रज बिहारी त्रिपाठी की धर्मपत्नी श्रीमती निशा त्रिपाठी का उपचार के दौरान मुम्बई में गत 8 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 10 जुलाई को प्रयागराज में किया जाएगा।श्रीमती निशा त्रिपाठी के निधन का समाचार मिलते ही उनके शुभचिंतकों के बीच शोक की लहर है। शोक व्यक्त करने वालों में समाजसेवी उदय शरण चतुर्वेदी, उमेश चतुर्वेदी लालन, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, अखिलेश तिवारी और अभिषेक चतुर्वेदी बेटू आदि शामिल हैं।

भारत विकास परिषद का नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

सतना, सेवा, समर्पण, सद्भावना, सहयोग के उद्देश्य को लेकर गठित राष्ट्रीय संस्था भारत विकास परिषद सतना द्वारा श्रीमती श्रेया ताम्रकार के संयोजन में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत अनेक सेवाभावी प्रकल्प छात्र-छात्राओं एवं बुजुर्गों के मध्य संपन्न हो रहे हैं। परिषद के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि गत दिवस वेंकट क्रमांक 2 विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता के बारे में संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक गण सहित समस्त विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर अमित अग्निहोत्री ने बड़े ही सारगर्भित ढंग से नशे की लत से होने वाले नुकसान एवं उसके बचाव के बारे में प्रभावी वक्तव्य दिया एवं छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का बड़े रोचक ढंग से जवाब दिया जिसे सभी ने सराहा।

बरगी परियोजना : स्लीमनाबाद टनल में सिर्फ 18 मीटर खुदाई बाकी

15 को सांसद तकनीकी टीम के साथ करेंगे निरीक्षण

नव भारत न्यूज

सतना, 9 जुलाई. बरगी दाईं तट नहर परियोजना के उस सबसे अहम और चुनौतीपूर्ण हिस्से में अब अंतिम चरण का काम चल रहा है, जिसका इंतजार वर्षों से किसान और पूरा विंध्य क्षेत्र कर रहा है।

स्लीमनाबाद की टनल, जिसे इस परियोजना की सबसे बड़ी तकनीकी बाधा माना जा रहा था, अब लगभग पूरी होने की स्थिति में है। तीन दिन पहले तक जहां टनल में 38 मीटर खुदाई शेष थी, वहीं अब यह दूरी घटकर सिर्फ 18 मीटर रह गई है। निर्माण एजेंसी को उम्मीद है कि 15 जुलाई तक टनल का ब्रेक-थ्रू हो जाएगा और इस महत्वपूर्ण चरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। बरगी दाईं तट परियोजना सतना और मैहर जिले के किसानों के लिए जीवनदायिनी मानी जा रही है। परियोजना पूरी होने के बाद नर्मदा का पानी हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि तक पहुंचेगा, जिससे सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और किसानों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकेगी। यही वजह है कि इस परियोजना की प्रगति पर प्रदेश सरकार की भी लगातार नजर बनी हुई है।

टीम के साथ जाएंगे गणेश सिंह-बीते दिनों सतना सांसद गणेश सिंह ने तकनीकी अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया था। उस समय टनल में 38 मीटर खुदाई शेष थी। निर्माण कार्य की तेज रफ्तार को देखते हुए अब यह दूरी घटकर 18 मीटर रह गई है।

5 घंटे चली बैठक, उठने वालों की हुई जांच

नवभारत न्यूज

सतना, 9 जुलाई. नवागत संभागायुक्त शीलेन्द्र सिंह ने मैहर जिले की 5 घंटे लगातार बैठक कर अधिकारियों को अपने सख्त रुख का संकेत दिया.

मिली जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान जिन जिला अधिकारियों ने उठने का प्रयास ि किया उनकी जांच बैठक में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग की टीम से कराया. बताया गया है कि कई उर्म्रदराज जिला अधिकारी जिन्हें मधुमेह व उच्च रक्तचाप की शिकायत थी उन्हें भी बैठक के बीच में उठने के बाद जांच दल का सामना करने पड़ा.

सेवा संकल्प में भोजन वितरण आज

सतना, 9 जुलाई. रोटरैक्ट क्लब सतना की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर 10 जुलाई को 11:45 बजे पूर्व अध्यक्ष सतीश जैन द्वारा अपने पिताजी पूर्व रोटरी अध्यक्ष स्व. निर्मल जी की स्मृति में जिला अस्पताल स्थित सेवा संकल्प में मरीजों एवं उनके परिजनों को भोजन कराया जायगा।

सतना में उद्योग विकास का कार्यालय खोले जाने की मांग

नवभारत न्यूज

सतना, 9 जुलाई. विन्ध्य चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज सतना ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सतना में डच्च्क्ब् (मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) का शाखा कार्यालय स्थापित करने की मांग की है।

चेम्बर महामंत्री इंजी. मनोज कटारे ने बताया कि सतना जिला विंध्य क्षेत्र का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्र है। यहाँ सीमेंट, खनिज, परिवहन, कृषि आधारित उद्योग तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं, फिर भी सतना जिले के औद्यौगिक विकास को गति नही मिल रही है। उद्योगों से संबंधित कार्यों के लिए उद्यमियों को जबलपुर या भोपाल के डच्च्क्ब् कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है, जिसके कारण निवेषको मे उत्साह की कमी देखी जा रही है। चेम्बर ने बताया कि सतना जिले में रघुराजनगर, मझगवां, कोठी, बिरसिंहपुर, रामपुर बाघेलान, नागौद, उचेहरा एवं बाबूपुर में लगभग 500 एकड़ औद्योगिक भूमि डच्च्क्ब् के पास उपलब्ध है परन्तु इसका लाभ जिले को नही मिल पा रहा है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने कहा सतना में डच्च्क्ब् का कार्यालय खुलने से निवेशकों को एक ही छत के नीचे जमीन आवंटन, छब्ब् लोन एवं अन्य सुविधाएं मिलेंगी। यह विन्ध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास की दिशा में एक दूरदर्शी कदम होगा। चेम्बर को पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री जी इस जनहित एवं उद्योग हित के प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेंगे। चेम्बर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी से मांग की है कि आगामी कैबिनेट में इस प्रस्ताव को प्रमुखता से रखा जाए।